B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-XI

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्ना: सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेया :। 2×10=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

(a) ऋग्वेदसंहितायां भवदधीतम् इन्द्रसूक्तम् कस्मिन् मण्डले आम्नातम्? तत्र कति मन्त्रा आम्नाता:?
তোমাদের পাঠ্য ইন্দ্রসূক্ত ঋগ্বেদসংহিতার কোন মণ্ডলে পাওয়া যায়? সেখানে কতগুলি মন্ত্র আছে?

(b) 'स ___ ___ च पिप्रयो' - इति मन्त्रांशे रिक्तस्थानद्वयं पूरयत।
'স ___ ___ চ পিপ্রয়ো' - ইত্যাদি মন্ত্রাংশে দুটি শূন্যস্থান পূর্ণ করো।

(c) को नाम देव: कतमे वत्सरे शम्बरमन्विष्य अलभत? मन्त्रांशश्च देय:।
কোন দেবতা কত বৎসরে শম্বরকে খুঁজে পান? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশ উল্লেখ করো।

(d) विलापपर: कितव: तस्य भार्याया: कान् गुणान् अनुस्मरति?
বিলাপ করতে করতে জুয়াড়ী তার স্ত্রীর কোন কোন গুণ স্মরণ করে?

(e) अग्नि: कस्मिन् स्थाने वर्तते इति प्रश्नस्य उत्तरम् निरुक्तमाश्रित्य देयम्।
নিরুক্ত অনুসরণ করে অগ্নির স্থান নিরূপণ করো।

(f) दास: दस्युश्चेति शब्दद्वयम् कुत्र आम्नातम्? प्रासङ्गिको मन्त्रांशो देय:।
দাস ও দস্যু — এই শব্দদুটি কোথায় পাওয়া যায়? প্রাসঙ্গিক মন্ত্রাংশ উল্লেখ করো।

(g) को नाम 'अपां नेता'? को वा 'अच्युतच्युत्' इति।
'অপাং নেতা' এবং 'অচ্যুতচ্যুৎ' কে?

(h) 'ईशोपनिषद्' इति नाम्नि किं बीजम्? कस्मिन् वेदे ईशोपनिषद् आम्नाता?
ঈশোপনিষদ্ এরূপ নামকরণের কারণ কী? কোন বেদে এই উপনিষদ্ যুক্ত?

(i) क: कथम् अमृतमश्नुते - इति विषये उपनिषदि किमुच्यते?
কে কীভাবে অমৃত পান করে — তা উপনিষদ্ অনুসারে বলো।

(j) अक्षसूक्ते कथं कृषिकर्मणि प्रेरणा दीयते?
অক্ষসূক্তে কেন কৃষিকার্যে উৎসাহ দেওয়া হয়েছে?

(k) केवलं छन्दोमात्रगोचरस्य लकारस्य प्रयोगद्वयं विवृणुत।

কেবল বেদেই পাওয়া যায় এমন লকারের দুটি প্রয়োগ দেখাও।

(l) कम्पस्वरस्य उदाहरणम् उपस्थाप्यताम्।

কম্পস্বরের উদাহরণ দাও।

(m) आश्विनशस्त्रं किम्?

আশ্বিনশস্ত্রের পরিচয় দাও।

(n) तृचादिविनियोगः याज्या वा व्याख्यायताम्।

তৃচাদিবিনিয়োগ অথবা যাজ্যার ব্যাখ্যা করো।

(o) पदपाठे प्रगृह्यस्थले इतिकरणस्य उदाहरणमुपस्थाप्यताम्।

পদপাঠে প্রগৃহ্যস্থলে ইতিকরণের উদাহরণ দাও।

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तत्र यत्किञ्चित् *द्वितयं* सुरगिरा समाधीयताम्। 5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির যে কোনো *চারটির* উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটির* উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

(a) ईळा॒नाया॑व॒स्यवे॒

यवि॑ष्ठ दूत नो गि॒रा।

यजि॑ष्ठ होतरा ग॑हि॥'

— इति मन्त्रस्य कोष्ठके वैदिकशब्दं प्रदाय वङ्गभाषया अनुवाद इष्यते।

— বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।

(b) यो ह॒त्वाहि॒मरि॑णात् स॒प्त सिन्धू॒न्

यो गा उ॒दाज॑दप॒धा व॒लस्य॑।

यो अश्म॑नोर॒न्तर॒ग्निं ज॒जान॑

सं॒वृक् स॒मत्सु॒ स ज॑नास॒ इन्द्रः॑॥

— कोष्ठके वैदिकं शब्द प्रदाय मन्त्रोऽयं वङ्गभाषया अनूद्यताम्।

— বন্ধনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ করো।

(c) उपरिलिखितयोः (a)-(b)-स्थितयोः मन्त्रयोः कस्यचिदेकस्य सस्वरः पदपाठः प्रदर्श्यताम्।

উপরে (a) এবং (b) প্রশ্নে লেখা মন্ত্রদুটির যে কোনো একটিকে স্বরচিহ্নের পরিবর্তনসহ পদপাঠে লেখো।

(d) अ॒हं सु॑वे पि॒तर॑मस्य मू॒र्ध -

न्मम॒ योनि॑र॒प्स्व॒ऽन्तः स॑मु॒द्रे।

ततो॒ वि ति॑ष्ठे॒ भुव॒नानु॒ विश्वो॒ -

तामूं द्यां व॒र्ष्मणोप॑ स्पृशामि॥ - इति ऋक् ऋषिच्छन्दोदेवतानिर्देशपूर्वकं सायणभाष्योक्तदिशा सुरगिरा व्याख्येया।

— আলোচ্য মন্ত্রটি ঋষি, ছন্দঃ ও দেবতানির্দেশপূর্বক সংস্কৃত ভাষায় সায়ণানুসারী ব্যাখ্যা করো।

(e) 'ततो भूय इव ते तमो य उ विद्यायां रता:' इति मन्त्रांश: भाष्योक्तदिशा संस्कृतेन व्याख्येय:।
আলোচ্য মন্ত্রাংশটি সংস্কৃতে ভাষ্যানুসারী ব্যাখ্যা করো।

(f) देवीसूक्तस्य महिमा मन्त्रोद्धरणपूर्वकं वर्णनीय:।
দেবীসূক্তের মহিমা মন্ত্রসহযোগে বর্ণনা করো।

3. अधस्तनेषु प्रश्नेषु *द्वितयम्* आश्रित्य नातिदीर्घो निबन्धो विरचनीय:। 10×2=20
নীচের প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো *দুটির* উত্তর দাও ঃ

(a) ईशोपनिषदि आम्नातं विद्याविद्ययोस्तात्पर्यं यथायथं पर्य्यालोच्यताम्।
ঈশোপনিষদ্ অবলম্বনে বিদ্যা ও অবিদ্যার তাৎপর্য পর্যালোচনা করো।

(b) छन्दसि असमापिकाक्रियाया: प्रयोगान् आधारीकृत्य निबन्धो विरचनीय:।
অসমাপিকা ক্রিয়ার বৈদিক প্রয়োগ বিষয়ে নিবন্ধ লেখো।

(c) अक्षसूक्तस्य ऋषि: क:? सूक्तेऽस्मिन् कितवस्य दुर्दशा वर्णनीया।
অক্ষসূক্তের ঋষি কে? এই সূক্তে কিতবের দুর্দশা বর্ণনা করো।

(d) इन्द्रस्य माहात्म्यं भवदधीतवेदभागमाधारीकृत्य मन्त्रोद्धरणपूर्वकं समुपवर्ण्यताम्।
তোমাদের পাঠ্যাংশ অবলম্বনে যথাযথ মন্ত্র উদ্ধৃতি সহযোগে ইন্দ্রের মাহাত্ম্য বর্ণনা করো।

———————